सौर ऊर्जा से दमकेंगे ग्रामीणों के घर

■ युवाओं को दिया सौर लैंप बनाने का प्रशिक्षण

शहडोल. आईआईटी बाम्बे के सहयोग से आदिवासी संभाग के ग्रामीणों को सौर ऊर्जा से लैंप बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। उमरिया व शहडोल जिले के 14 युवाओं को सहजीवन समिति के तत्वावधान में प्रशिक्षित कर ऊर्जा के नए स्रोतों के सदुपयोग व आर्जीविका संबंधित जानकारी दी गई।

मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूवेबल एनर्जी व प्रदेश शासन के सहयोग से पिछड़े व दुर्गम स्थानों के लिए यह कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत न सिर्फ दूरांचल गांवों के गरीब ग्रामीणों को प्राकृतिक ऊर्जा के उपयोग के सदुपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, बल्कि इनके इस्तेमाल के जरिए आजीविका सुदृढ़ करने की भी जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय स्तर से संभाग के तीनों जिले उमरिया, अनूपपुर व शहडोल के लिए चयनित सहजीवन समिति ने आईआईटी बाम्बे से आए सीनियर प्रोजेक्ट असिस्टेंट देवांजन शनग्रही, सुनील सिंह चौहान, पवन नामदेव, दीपनारायण सिंह के सहयोग से 14 युवाओं को सौर लैंप बनाने का चार दिनी प्रशिक्षण दिया।

फूड सिक्योरिटी अधिनियम लागू होने के बाद कई उपभोक्ता अब केरोसिन की फ्री सेल बिक्री से वंचित हो चुके हैं। इस दिशा में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में सौर ऊर्जा का उपयोग लाभदायक साबित होगा। सहजीवन समिति के सचिव डॉ. गिरधर माथनकर ने बताया कि शहडोल व उमरिया के प्रशिक्षित युवाओं को अब एक हजार सौर लैंप बनाने का लक्ष्य दिया गया है।